

१४ गञ्जन द्वीपानाः दुष्कृता नीशरणीपतीः

पत्नीवीती

तस्मात् प्राप्तान् दुष्कृतेषु ब्रह्म द्वीपानां त्रेप्यद्वैतं प्राप्तवन्त इत्या तत्र-शङ्कीन
द्वीपात्तावी प्राप्तवन्त पाण्डुरुद्र (नाः) । प्राप्तवन्त इत्यापे वेदोक्तं जज्ञनीपि गेज्ञतान
ब्रह्मणाम् १८ वदन्त वापे नीशरणीपती जज्ञान्त गेद्रे वीचीन तप्ताने ब्रह्म दुष्कृता
द्वीपानां त्रेप्यद्वैतम् ।

ज्ञानान् उच्यते जे जापे-जुद्धं वनेन, ब्रह्म जुद्धं गाने शास्त्रमा द्वीवान्
ज्ञानी ज्ञानान् गेद्रे त्रेप्यता । तत्र पाश्या, जेना उच्यते पौग प्राप्तवन्त इत्यापे
रुद्राश्च रुद्राश्च दुष्कृतावान् जज्ञनीपि तनीः दुग्नीः द्वीपे गेद्रेनगी, ब्रह्मान्
बुद्धं ज्ञानीष आपती जज्ञान्ते वात्तम् । तत्र पत्नीशीश द्वीपा, प्राप्तवन्त इत्यापे
दुष्कृतावान् जेवन्ता जज्ञनीपि तगवा, ऐन नृपा तगे दुष्कृताम् प्ताने-द्वजान्त
तश्व । ऐनज्ञानी बुद्धं पत्नी आपती वात्नीः इमान् गजवृत्ती जन्त ।

ऐनज्ञाने तद्रे,

- (पा) शुभीमन् पदुष्कृतात् तत्र वे-दीमन् ज्ञाना १ नृपा,
(प) प्ताने-द्वजान्त आपती दुष्कृतीन् २:१-१२ तपेत्तम्
(ग) गजान्त पाश्या इमाने गजवृत्तं तत्र २:१०-०:५
(घ) ब्रह्म-पाप्रीत्तने दुष्कृतीन् पान्त ०:७-१८

१) त्रयान गाह्वी वाफ् त्रया पादा त्रय द्वाजत्र श्वा त्र-श्रुतीन
 त्रगे शनीपा, नीशरतीमी शङ्कन जमानन मेद्रे त्रगी पात्रुद्रुद्र,
 गाह्वी शीत्राद्र त्र जीमनीपे त्रुत द्वातीफ्पापाम त्रेप्यनाम ।

२) गाह्वी वाफ् त्रयापे त्रय द्वाजत्र श्वा त्र-श्रुतीपे त्रुयनाने
 नद्रमत्र त्रय शानी दाम पात्रुपुद्रा ।

शुभीमन त्रुद्रुमान त्रय वे-दीमन शाना

३) गाह्वी त्रपात्र, त्रयना द्वाशेशा त्रुयनान त्रगी त्रयान श्रुपातीन
 त्रपापे पात्रा जनुन । त्रुयनान श्रुगामी त्रय वतत्र वापेन त्रय पेपो-त्रुश्रु
 शापेन-श्रुद्रुतत्र वाह्वी पपेन, पेनरागी त्रयना श्रुपातीन त्रपापे पात्रा
 द्रुपात्र । ४) त्रयना त्र त्रयान जमान त्रपात्रन द्वाशने त्रुयनाने त्रह्व
 वद्राह्व पातीन, पात्रन त्र जनुद्रु-श्रुतीवत्र त्रय द्रुप-पाश्रु पाह्वत्र
 त्रुयना द्रुवन पात्रु त्रय श्रुगामे शीपातीन त्रह्व ।

५) त्रुयनाने जाने त्रयान वाद्रुशाह्वन जह्वगे पाह्व गना त्रपे, त्रयान
 त्रगीत त्रुयना त्रय द्रुप-श्रुतीवत्र शह्व पात्रपापे, श्रुग त्रह्व त्रयान
 द्रुपा-श्रुद्रुपात्र पात्रमान, ६) नाम द्रुपा-श्रुद्रुपात्र त्रह्व, जेत्रापे त्रुयनाने
 पाश्रु देह्व, जाह्व श्रुगामे पाश्रु दीवा । ७) - ८) त्रय त्रुयना जेना त्रुपत्र
 पाश्रु पाह्वपापे, त्रयापे त्रयान त्रगे त्रुयनाने त्र ह्व पाश्रु नापी नेद्राह्व
 दीवा । द्वाजत्र श्वापे जेवत्रा नाम श्रुतीशाती श्रुतीश्रु त्रपात्र त्रह्व,
 जानाह्व त्रगुमीन द्रुद्रुतीन त्रह्व वेद्रुश्रु नापी त्रगीन त्रह्व, त्रुत
 श्रुपे त्रुतत्रा त्रह्व । जेना श्रुगामे त्रयाने बीमे मा त्रय द्वाजत्र श्वा
 द्रुश-पवतीन पात्रा श्रुगामे मा, त्रयापे श्रुगामे जानान पात्रुमा शाना
 दीवा । ९) श्रुतीपा श्रुपापे जेवत्रा त्रशनीफ् त्रगवा, त्रुत श्रुपे जानाने त्रुयन
 शाना देत्रु त्रह्व, जाने जाना नाम दीदानन त्रय श्रुपा द्रुद्रुमीन वापे
 पपीन द्रुन-द्वाशेशा त्रुयनी शाना पाह्व । १०) द्रुत दीम नाम मीजत्र
 पात्रा वद्रा त्रपात्र, जेना नाम त्रुयनाने श्रुगाम त्रय जानान शानदी,
 नाम गत्रुव श्रुतीश्रु जानाह्व त्रह्व । पेनान श्रुगामे त्रुयनान त्रुयन,
 पात्रन त्रयान त्रवतीम द्रुमीन त्रुयना श्रुगाम त्रय ।

११) पेनरागी त्रयना द्वाशेशा त्रुयनान त्रगी द्रुत पाती, त्रयान
 त्रयापे जान, त्रुयनाने नाम द्रुयनान ज्रुपा श्रुत पात्रु, नाम श्रुयनान
 वत्रे त्रुयनान द्रुपात्र मेपा पात्रन त्रशा द्रुयन पात्रु, त्रय श्रुगाम

जनीत द्वाती मुञ्जना जेजा पाषाण पाननापे, इ पाषाण जातु, नाशम द्वा
 पातैम । ३ जेठ जमनान जन्ना जन द्वाजनन इद्दा जन्-शङ्कीन नद्वमजन
 रागी, मुञ्जनान भाजदी जमनान भात्रीपा इद्दान गठनव जाश्व ब्रह्म,
 जन नाम भाजदी मुञ्जान गठनवन भागी ब्रह्मापे ।

प्यामे-द्वजान्न आपी द्वाशीजन

२ ब्र भाइ ब्रपात्र द्वा, जमनान द्वाजनन इद्दा जन्-शङ्की ज दीनवाव
 जहवा, जहज जमना द्वापात्रने ऐप्पामन्न द्वा पातीत नाम गेद्रे
 गीवा । जे ब्रठ वेपाने मुञ्जाने भीमज पाती पाश्याम, ३ पोठ जुदी जहज
 पापे भात्रीपा इद्दान दीम जहज द्वात्रे, दो द्वा, गाहवी द्वाशन देप्पद्रे,
 वा ब्रदी गजीर ब्रद्रे, वा जमनान ऐप्पा वीनी मन्न पातीजन्न मुञ्जा
 उवाहज ब्रशीन ब्रह्म ना । ५ पोठ जातु, द्वा, मुञ्जाने इगीन इषाम
 द्वा, ना पाने । पानम द्वा दीम जन्नजन जगे वेशीन नाम शानुश
 जन्ना पापान वीदुप्पो जाश्व, जाना जन्नान गेद्रे आपी द्वा द्वाजीव,
 जन मुजप्पी जम, द्वा गाप्पनमाम प्यामे-द्वजान्न वानब्रह्म । ६ वानब्रह्म
 “जन्नान भागे” जमना जद्रे, इजा द्वाप्पनम वीदुप्पो जन पेवादुजी पानान
 जुप्पा द्वाप्पनम वीदुप्पो गीत, दो गीजने वद मन्न पानव । दो ब्रान्न
 पानव, जन्नान पेवादुज-प्यामान वहज गीजने जन्ना पाहज द्वा पानव ।

७ जे जमी जेवन्ना मुञ्जान गेद्रे नहजाम, द्वा शमपे जमी इ वेपाने
 भाजनाम, इजा मुञ्जान मन्न ब्र ना गी? ८ द्वा गाप्पनमाम जाजे शमपे
 द्वा जन्नान जगे वानब्रह्म ना पाने, ऐन्नामी पीजापे जाने जह्माहज
 नाप्पद्रे, इप्पाम ज मुञ्जा जागन्नठ । ९ मुञ्जा ऐन्नामन्न जागन्न,
 द्वा गाप्पनमामन द्वापाहज पाषाण-पाज ब्रमन्न वन्नेन । ब्रह्मे जेशम
 जाने जह्माहज नाप्पना, नाशम द्वातीत जागन्नान जम पनजम जाने
 जह्मागीन नहवा । १० नाशम द्वाती गेन्ने द्वा गाप्पनमाम प्यामे-द्वजान्न
 वानब्रह्म । द्वाजनन इद्दापे श्मुप्पी द्वा दीन जाने वीनाश पानवा, जन
 नाम द्वा, द्वाती भापे जजीन ब्रह्म जान वन्-शङ्कीने प्पन्न पानवा ।
 ११ पी प्यामे-द्वजान्न जेवन्ना जहव, जान जगे नहव शपेनामी प्पेजना । ब्रठ
 शपेनामी प्पेजनापे दो द्वापात्र भीद्दा पोनामनी जन श्मुजेजा पाषाण देप्पाहव ।
 १२ जान द्वापात्र मञ्जान वेहजानी प्पाहाहज वेहजाम भाजने इगीव । इजा
 शानुश वीनाश ब्रह्मजीवा, पानम नाम वानानीन रागी जाना जन्नाह द्वापात्रे

पद्मम् पान्द्रे मा, जन पान्द्रे पान्द्रे मा । ॐ ऐन्द्रागी जन्नापे जानाने शष्पीशास्त्री पेदा पद्-पान्द्रेज प्फान्नाश्वा, जाने जाना शीद्रा वेदानने पेपीम पाने । ॐ ऐन्द्रे जन्नाश् पान्द्रे उचने श्शाम ना जमीज जेत्तापे माप्फनशामीने पद्मम् पान्द्रेम, जानाने पीजमजन दीम दुशी शाश्वन्न पाना न्द्वश्व ।

माजान् पाश्च श्शामे मज्वज्ज न्न

ॐ न्ना ग्हाश् न्नापान्, न्ना श्शानीपा इन्द्रान् शापेजन जम न्नापान्, मुञ्जानान् श्शामी जमना प्ताशेशा जन्नाज प्दवान्न श्शुपानीज ज्दुपे पाना प्दपान, जन्नापे न्ना मुञ्जाने प्पेत्ता न्नापीउ वाप्पीज न्नाम पान्द्रेम माजान् पान्जजन श्शामी । पापा न्नुद्दु पीज मुञ्जाने पवीन्न पानान् शाजदी, जन जन्नाश् प्पुश-प्पवनीज प्दपान उचने श्शाम जमीज मुञ्जना माजान् पाश्च । ॐ जमना जे प्पुश-प्पवनी मवन्तीम पान्द्री, ऐ उप्पीत्तापे माजान् पान्जजन श्शामी जन्नापे मुञ्जाने पद्मम् पान्द्रेम, जाने मुञ्जना जमनान् श्शानीपा इन्द्रा जन्ना-मप्पीन मप्पीमान् श्शानीपा न्न । ॐ जे न्ना ग्हाश् न्नापान्, मुञ्जना श्शामे नीन न्न जन श्शुप्पे श्शुप्पे वा वीचीन श्शान्पफ्फे जमना जे श्शानीम दीप्पी, इन्ना गान्नामन्ने मन्न न्नाप्पीज्ज ।

ॐ - ॐ जमनान् गाश्वी वाप्फ जन्ना पापो जन श्शपेत्तं इन्द्रा जन्ना-मप्पीपे मुञ्जानान् दीन्ना न्नेदा उन्नशाप्ता पान् पान्द्रेम, पान्द्रे न्नामन न्नेदा प्ताम जन श्शान्-पान्दान् शाजे नीन न्नाप्पउप्फता । नाश्मउ जमनाने मप्पन्न पान्द्रेम, नाश्म न्नापान् पानीज वीजपान्नीम उन्नशाप्ता जन प्पुशी-वाशीन जशा पान् पान्द्रेम ।

ॐ न्ना ग्हाश् न्नापान्, प्पौश-शेश प्पाश्नाम, जमनान् श्शामी प्पुज पानीज्ज, प्पान्जजन इन्द्रान् प्पुश-प्पवनी मुञ्जानान् शाजे जेत्ता जन्नादी जन्नादी प्प्रीप्पीप्पीन्ना, न्नात्ता जानु दीम दीम प्प्रीप्पीन्ना न्नेपे जन मन्नाव पान्जजन न्नेपे ।

ॐ जन न्नाउ प्पुजप्पान्न पानीज्ज, जमना जानु वीवेदा प्पाप्ता माप्फनशाम न्नापान् जन न्नापी न्नेत्ताश् पाश् । श्व शान्ना न्ना जन श्शामदान् मापे ।

ॐ न्नात्ते श्शानीपा इन्द्रा न्ना पान्द्रे जन प्पाशी, नाश्मउ मुञ्जाने श्शामे नीन न्नाप्पवा जन श्शपेत्तान् जन न्नापी प्ताशेशा प्पौप्फान्ज पान्वा ।

ॐ श्शानीपान् उचने श्शाम जमन्ना पानी मुञ्जानान् उचने जमनान् इ पेपीम ज्द्रे, जमना जेत्ता प्पुपुम दीप्पी, मुञ्जना न्नाउ श्शामान् प्ताम पान्नापे जन पान्जान् न्द्वशापेत्त । ॐ श्शानीपा इन्द्रापे जानु मुञ्जानान् दीन्ना जन्नाज मप्पन्नजन पन्ने जन जन्ना-मप्पीन प्पवन् पन्ने न्नात्तु न्नाप्पेम ।

ब्रह्म-प्रदीपने दृशीयन पान्न

७ गाह ब्रह्मन्, जगन्मान प्रजनन इहा जन्-मद्रीन गाभे ब्रह्म दृ,प्र,म
दीनाम, मुञ्जान जगन्मान प्र,म, श्मानदान गाहरे ज,दी प्र,दी-जशी पाने
जन जगन्मा जेना ज्ञात्रीम दीप्री, इना ना गाने, जे ज्ञान रगे ब्रह्म-प्रीना
वाद् दीनाम । ८ दृ,मन्न, जगन्मान ज्ञाप्याम पोगमे ब्रह्मजापे, इना ज मुञ्जना
जानन्न । जगन्मा जेवना मुञ्जान रगे नह्मना, ब्रह्म श्मपे ज प्र,म,जान
प्र,दी-जशी पानप्री ना, ९ ज्ञागना प्र,म, प्पानी प्पाहप्री ना । जगन्मा दीने-
नाशने भेज्न पानीन नुजी-नुजमान पानप्री, जाने मुञ्जना पोवनन बुद्ध ना
ब्रह्म । १० ब्रह्मने जगन्मा जेम मुञ्जान गेद्रे ज्ञाप्री शाह्म गीवान ब्रह्मीपान
गाह, इना ज गापे, ज्ञा-ब्र जगन्मा ब्रह्म पानीन देप्पाहप्री, जाने मुञ्जान
जगन्मान ज्ञाप्याम ब्रह्म । ११ मुञ्जान गेद्रे ज्ञापान पान्नन्न ज्ञात्रीम दीप्रीनाम,
प्र,म, जमे ज,दी पाष पान्न ना गापे, जे प्ते प्पानीन्न वाद् दीनाम ।

१२ जगन्मा ब्रह्मन्न दृ,मनाम, मुञ्जान गाने पोव पोव प्र,दी-जशी पानेन
जन प्र,म,जान पाष-पाज पानेन ना, वरुं प्पाशेशा पनन प्प्रीका गाहज
दीम पाशपे । १३ जे जगन्मान ज्ञात्रीपा इहा जन्-मद्रीन ब्रह्म इना जगन्मान
मद्रीन्न जन दृ,प्र,म दीनन, ज्ञाना जानु, शान्नी ब्रह्म नुजी-नुजमान
पानीन प्पापे, जन गीजन प्पानी गीजे ज,गापे ।

१४ गाहजह्मने, वेदा पाषन्न प्तेनाम ब्रह्म ना । १५ ब्रह्म बीचीन गाशापे
नेप्पा जगन्मान पनाशीश ज,दी पोव ना गाने, जे ज्ञाने बीचीन ज्ञापन्न, ज्ञान
रगे ब्रह्म-प्रीना वाद् दीनाम, जेव प्ते शनशीन्दा ब्रह्म । १६ ब्रह्मने प्प्रीन
ज्ञाप्री, ज्ञाने दृशजम गन्न पानीन्न ना, वरुं गाह प्प्रीशावे दृशीयन पान्न ।

वीदापेह द्वात्रास

१७ शान्नी देवना ज्ञात्रीपो मुञ्जाने प्पाशेशा पान्नन्न मञ्जमान शान्नी दाम
पान्नपन्ना । ज्ञात्रीपा इहा मुञ्जना पान्नन्न रगे रगे नवपन्ना ।

१८ दृ,मन्न, इ द्वात्रासन पान्ना जशी पान्नन्न, गीजन जज्ञे नेप्पद्री ।
ब्रह्मन्न जगन्मान पननेपा बीचीन जज्ञान, जशी ब्रह्म मञ्जगापे बीची
नेप्प्री । १९ मुञ्जना पान्नन्न लपने जगन्मान ज्ञात्रीपा इहा जन्-मद्रीन
नद्वन्न जानी नवपन्ना । जगन्मान ॥